महामहिम राज्यपाल श्री राम नरेश यादव का महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि पर आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभा में उद्बोधन

स्थान :- भोपाल दिनांक :- 30 जनवरी, 2013 समय :- प्रात: 9.30 बजे

आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर सर्वप्रथम मैं, राष्ट्रपिता को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। देश की आजादी के लिए प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों, ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का पुण्य स्मरण करते हुए उन्हें मैं श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं। आज भी देश का मार्गदर्शन कर रहे सभी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को मेरा प्रणाम।

सभी राष्ट्र और सभी लोग, अब यह बात अच्छी तरह से समझने लगे हैं कि हिंसा और हथियार, किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। आज विश्व के अन्य देशों की तरह, हमारे देश में भी अलगाववादी एवं आतंकवादी गतिविधियां चुनौतियों का रूप ले चुकी हैं। इन चुनौतियों का डटकर मुकाबला करने के लिए देश में वैचारिक क्रांति लाने की एतिहासिक आवश्यकता है। युवाओं को इस क्रांति का संवाहक बनाने की आवश्यकता है। यह क्रान्ति राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों, सिद्धांतों और आदर्शों को आत्मसात करने से ही मूर्तरूप ले सकती है।

आज विश्व में हिंसात्मक गतिविधियों में तेजी से हो रही वृद्धि, सभी देशों के लिए गहन चिंता का विषय बन गई है। इस दृष्टि से महात्मा गांधी की सत्य एवं अहिंसावादी नीति को विश्व को अपनाना होगा और यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र ने सत्य एवं अहिंसा की उपादेयता को समझ कर गांधी जी के जन्म दिवस को अहिंसा दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया था। हमारा देश हमेशा से हिंसा का विरोधी रहा है। हमने गांधी जी के मार्गदर्शन में अहिंसा के मार्ग को अपनाया है। इसलिए हम विकास के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

आज के दिन, महात्मा गांधी को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम सब, मानवता की रक्षा और जन-कल्याण के लिए गांधी जी के आदर्शों को, अपने जीवन में आत्मसात करने के लिए दृढ़ संकल्पित हों। इसके अतिरिक्त कोई दूसरा मार्ग नहीं है। देश में शांति और तरक्की के लिए, आईए! राष्ट्र को सामने रखते हुए समस्त मतभेदों को भुलाकर एकजुट होकर कार्य करने के लिए वचनबद्ध हों।

जय हिन्द।